International Journal of Applied Research 2016; 2(8): 838-841

**ISSN Print:** 2394-7500
**ISSN Online:** 2394-5869
**Impact Factor:** 5.2
IJAR 2016; 2(8): 838-841
www.allresearchjournal.com
Received: 18-07-2016
Accepted: 19-08-2016

**डा0 मोहम्मद इसरार खाँ**
सहायक प्रोफेसर, व्यवहारिक एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर, प्रदेश, भारत।

**जूली सिंह**
शोध छात्रा, व्यवहारिक एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर, प्रदेश, भारत।

**Correspondence**
**डा0 मोहम्मद इसरार खाँ**
सहायक प्रोफेसर, व्यवहारिक एवं क्षेत्रीय अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर, प्रदेश, भारत।

# स्वच्छ भारत अभियान का प्राथमिक विद्यालय स्वच्छता पर प्रभाव का सूक्ष्म अध्ययन : बरेली नगर क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में

**डा0 मोहम्मद इसरार खाँ, जूली सिंह**

**सारांश**
वर्तमान शोध में स्वच्छ भारत अभियान की प्रगति एवं जन स्वभाव तथा जन सहयोग जैसा वस्तुनिष्ठ चरों का समालोचनात्मक मूल्यांकन किया गया है। यह योजना क्या है? और इस योजना के माध्यम से हम किस प्रकार स्वच्छता को प्राप्त कर सकते है। इस योजना के माध्यम से क्या कार्य किये जा रहे है? तथा इन लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। क्या लोग इस योजना के प्रति जागरूक है या नहीं? बरेली के विद्यालयों में शौचालय है अथवा नहीं। यदि हैं तो वह उनका प्रयोग करते है और यदि नहीं करते है तो क्यों?

**मूलशब्दः** विद्यालय स्वच्छता, शौचालय, जल निकास, जल प्रबन्ध, संस्थागत स्वच्छता।

## 1. प्रस्तावना
स्वच्छ भारत अभियान सरकार द्वारा चलाई गई योजना है। यह जन कल्याण के लिए योजना है। स्वच्छ भारत अभियान का शुभारम्भ 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गाँधी की 145वीं पुण्य तिथि पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश को स्वच्छ बनाना है।
भारत सरकार द्वारा पहले भी कई स्वच्छता कार्यक्रम चलाए गए जैसे ''पूर्ण स्वच्छता अभियान'' Total Sanitation Campaign (TSC)। इससे पहले यह योजना अन्य नामों से चलायी जा रही थी जैसे ''केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम'' 1986, निर्मल भारत अभियान 2012 में।
इस अभियान को सफल बनाने के लिए देश के सभी नागरिकों से आशा व्यक्त की गई है। इस अभियान को शुरू करने से पहले ही निर्धारित कर दिया गया कि यह अभियान केवल सरकार का कर्तव्य नहीं बल्कि राष्ट्र को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी इस देश के सभी नागरिकों की है।
इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी लोगों को शौचालय उपलब्ध कराकर खुले में शौच से मुक्त राष्ट्र का निर्माण करना है। लोगों के जागरूक होने से इस अभियान को सफलता मिलेगी। इस अभियान के कई उद्देश्य है जैसे कि स्वच्छ भारत अभियान के लिए चलाई गई योजनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना, जागरूकता अभियान की सफलता का विश्लेषण करना, खुले में शौच जाने के कारणों का अध्ययन करना, शौचालय निर्माण की प्रक्रिया एवं प्राप्ति का मूल्यांकन करना।
इस अभियान के लिए कई योजनाएँ चलाई गई हैं जैसे क्लीन इण्डिया ग्रीन इण्डिया, ओ0डी0एफ0 को रोकना आदि।
सरकार द्वारा इस अभियान के लिए काफी प्रयास किये गये है। गाँवों में खुले में शौच की व्यवस्था को रोकने के लिए सरकार ने उनको शौचालय निर्माण के लिए पैसे दिये है तथा नवीन शौचालयों को बनवाया है। सरकार का एक मुख्य उद्देश्य है कि वह सन् 2019 तक देश में काफी सुधार कर लें। सरकार द्वारा चलाया गया यह अभियान जन कल्याण के लिए है। सरकार द्वारा यह घोषणा की गई कि यह अभियान राजनीतिक के ऊपर है और देश भक्ति से प्रेरित है।

## 2. अध्ययन के उद्देश्य
1. विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान के लिए चलाई गई योजनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना।
2. विद्यालयों में जागरूकता अभियान की सफलता का विश्लेषण करना।
3. विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान द्वारा जन सामान्य के स्वच्छता व्यवहार में आये परिवर्तनों का अध्ययन करना।
4. विद्यालयों में शौचालय निर्माण की प्रक्रिया एवं प्राप्तियों का मूल्यांकन करना।

## 3. शोध विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में स्वच्छ भारत अभियान का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए जिला बरेली के 20 विद्यालयों का चुनाव किया गया है। प्राथमिक आँकड़ों को एकत्र करने के लिए प्रश्नावली तैयार करके 20 विद्यालयलों से शिक्षक एवं छात्रों का न्यादर्श लेकर उनसे प्रश्नावली से प्रश्न पूछे गये थे।

द्वितीयक समंक में समाचार पत्र तथा इन्टरनेट आदि का प्रयोग किया गया है। एकत्रित आँकड़ों का वर्गीकरण सारणीयन, प्रतिशत आदि सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग करके निर्वचन किया गया है।

## 4. साहित्य सर्वेक्षण

शर्मा नीतू, चौधरी रिचा और पुरोहित हर्ष (2014) के अनुसार हरित लेखा अभी तक एक मुख्य मुद्दा है और हमारे देश भारत के विकास के लिये महत्वपूर्ण रूप में लिया जा सकता है। जैसे भारत के बैंकिग एवं वित्तीय संस्थान एक आवश्यक रूप में प्रारम्भ किये गये। उसी प्रकार स्वच्छता के पहलुओं को भी प्रारम्भ किया जाये। भारतीयों के विकास को बनाये रखने के लिये बैंकिग और वित्तीय संस्थान को ज्यादा काम करना होगा।

वी0 शर्मा और बद्रा शैलजा (2015) के अनुसार भारत एक विकासशील देश है जो स्वच्छता की ओर केन्द्रित करने का प्रयास कर रहा है। राश्ट्र को सुव्यवस्थित करना चाहता है, और जलवायु को स्वच्छ करने के बिन्दु को व्युत्पन्न करना चाहता है। आधुनिक भारत में स्वच्छता पर अध्ययन को केन्द्रित करता है।

स्वच्छ स्कूल स्वच्छ भारत (2014) व्यवस्था का तात्पर्य स्कूल में पीने के साफ पानी का प्रबन्ध और शौचालय की सुविधायें पिछले कुछ वर्षों से बढ़ गयी है। किन्तु अभी मूल रूप से और नियमों के अनुसार उचित व्यवस्था को अधिक सुधार की आवश्यकता है। सबसे अधिक जल और सफाई सुविधायें प्रत्येक दिन प्रयोग में आती हैं। स्वच्छता के लिए ये सुविधायें अनिवार्य रूप से क्रियान्वित की जायें कि स्कूल में साबुन से हाथ धुलने की सुविधाओं की व्यवस्था और देखरेख शामिल हो।

पुलकल हरि (2015) के अनुसार, स्वच्छ भारत अभियान पर एक उच्च मोड़ शुरू हो सकता है लेकिन देश को सफाई गंभीर व्यवसाय है जिसको करना आवश्यक है इसके लिए निवेश किया जाना चाहिए। देश को सफाई नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है इसके लिए स्वच्छ भारत मिशन का प्रारम्भ आवश्यक है।

Howell और Avalio (2014) के अध्ययनानुसार जिम्मेदार निर्माण और सभी प्रासंगिक स्टैक धारकों के साथ रिश्ते को बनाये रखने कि कला है और इसे प्राप्त नहीं व्यक्तिगत नेताओं समूहीकरण। यहाँ चुनौती नेता है जो मानो एक सामान्य दृष्टि में सम्बन्धित कर सकते है। जो करने के लिए सुनकर कर सकते है और दूसरों के लिए देखभाल और अतः उन्हें सेवा विकसित करने के लिए है।

डर्मने अभय बी (नवम्बर 2014) के अनुसार स्वास्थ्य और स्वच्छता मानव जीवन के सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं। पूरे देश में स्वच्छता को विकसित करना और स्वच्छता की व्यवस्था करना जन स्वास्थ्य में सर्वाधिक प्रभावी व्यावधानों के बीच है। स्वस्थ तथा स्वास्थ्य विज्ञान अत्याधिक मानव विकास को अत्याधिक प्रभावित करते है। यह विकास तथा खर्च को प्रभावित करने वाले तत्व है, जिससे स्वच्छता से कम किया जा सकता है।

नायक अपर्णा (2014) के अनुसार अगले पाँच वर्षों में स्वच्छ भारत लक्ष्य को पूरा करने का उद्देश्य भारत में स्वच्छता व्यवस्था में परिवर्तन लाकर उसे ठीक करना है। जो समस्यायें पर्यावरण से घनिष्टता से जुड़ी हुई है उन्हें काफी हद तक कम करना। कुड़ा–करकट का निस्तारण करना। आज हम जलवायु परिवर्तन, जल प्रदूषण, रासायनिकों के प्रयोग के दुष्प्रभाव का सामना करते हैं।

वर्मा, के0 (2014) विभाग द्वारा सफाई अभियान 25 सितम्बर 2014 ही शुरू किया गया था। इसमें इन्होंने स्वच्छ भारत अभियान का समन्वय विभाग में पेय जल आपूर्ति को पूर्ण करने के लिए एक विस्तृत वोट अनुलग्न भेजा।

अभय माने (2014) कुल मिलाकर बेल इंसान के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है स्वास्थ्य स्वच्छता और विकास स्वच्छता सफाई के बीच सबसे अधिक लागत प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप कर रहे है।

## 5. विश्लेषण

जनपद बरेली के प्राथमिक विद्यालयों में स्वच्छता की स्थिति, विद्यालयों की उन्नति और लोगों के स्वभाव का अलोचनात्मक विश्लेषण निम्न प्रकार है:

**5.1 शिक्षकों से पूछे गए प्रश्न–** तालिका संख्या 1 में बरेली के 20 प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों से प्राप्त जानकारी का विवरण प्रतिशत के रूप में दिया गया है।

**तलिका 1:** शिक्षकों से पूछे गए प्रश्न

| क. सं0 | प्रश्न | उत्तर (प्रतिशत में) | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्कूल का क्षेत्रफल कितना और कैसा है? | (क) खुला हुआ = 20 | (ख) ढका हुआ = 80 | |
| 2. | स्कूल का जल स्रोत पीने हेतु, अन्य कार्य हेतु तथा शौच हेंतु: | (क) नल इण्डियन मार्क = 40 | (ख) मोटर पम्प = 20 प्रतिशत | (ग) अपूर्ति = 40 |
| 3. | स्कूलों में जल की उपलब्धता कैसी है? | (क) पर्याप्त = 80 | (ख) अपर्याप्त = 20 | |
| 4. | स्कूलों में जल की उपलब्धता कैसी है? | (क) पर्याप्त = 80 | (ख) अपर्याप्त = 20 | |
| 5. | स्कूलों में शौचालयों की साफ–सफाई कब होती है? | (क) लगातार = 10 | (ख) रोजाना = 30 | (ग) साप्ताहिक = 60 |
| 6. | स्कूलों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान हेतु किए गए प्रयासः | (क) हाँ = 50 | (ख) नहीं = 50 | |
| 7. | विद्यालयों की स्वच्छता कमरे की तथा खुले स्थान की: | (क) रोजाना = 30 | (ख) कभी–कभी = 80 | |

***स्रोतः*** सर्वेक्षण

स्वच्छ भारत अभियान की जागरूकता के बारे में तथा स्वच्छता अभियान की सफलता के बारे में ज्ञात करने के लिए बरेली जनपद के 20 विद्यालयों में जाकर प्राप्त की है। विद्यालयों का क्षेत्रफल 80 प्रतिशत तक ढका हुआ है तथा 20 प्रतिशत खुला हुआ है। विद्यालयों में जल स्रोत पीने हेतु, शौच हेतु कैसा है नल इण्डियन मार्क 40 प्रतिशत तथा मोटर पम्प 20 प्रतिशत तथा आपूर्ति 40 प्रतिशत है।

**5.2 विद्यार्थियों से पूछे गए प्रश्न–** तालिका संख्या 2 में बरेली के 20 प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों से प्राप्त जानकारी का विवरण प्रतिशत के रूप में दिया गया है।

**तालिका 2:** विद्यार्थियों से पूछे गए प्रश्न

| क सं0 | प्रश्न | उत्तर (प्रतिशत में) | |
|---|---|---|---|
| 1. | स्कूलों में छात्र–छात्राओं को स्वच्छता हेतु शिक्षाः | (क) हाँ = 60 | (ख) नहीं = 40 |
| 2. | स्कूलों में व्यक्तिगत स्वच्छता निरीक्षण (दाँत, नाखून और कपड़ों की साफ–सफाई): | (क) रोजाना =20 | (ख) कभी–कभी = 80 |
| 3. | स्कूलों की साफ–सफाई में बच्चों का योगदानः | (क) हाँ = 70 | (ख) नहीं = 30 |
| 4. | शौचालय हेतु रसायनिक पदार्थों का उपयोगः | (क) हाँ = 60 | (ख) नहीं = 40 |

***स्रोतः*** सर्वेक्षण

स्वच्छ भारत अभियान की जागरूकता के बारे में तथा स्वच्छता अभियान की सफलता के बारे में विद्यार्थियों से उनके विद्यालय की स्वच्छता के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को स्वच्छता हेतु शिक्षा 50 प्रतिशत दी जाती है। विद्यालयों की साफ–सफाई में विद्यार्थियों का योगदान 70 प्रतिशत होता तथा 30 प्रतिशत नहीं।

**5.3 शोधार्थी के स्वपरीक्षण द्वारा प्राप्त जानकारी –** तालिका संख्या 1 में बरेली के 20 प्राथमिक विद्यालयों में शोधार्थी द्वारा प्राप्त जानकारी का विवरण प्रतिशत के रूप में दिया गया है।

**तालिका 3:** शोधार्थी के स्वपरीक्षण द्वारा प्राप्त जानकारी

| क. सं. | प्रश्न | उत्तर (प्रतिशत में) | |
|---|---|---|---|
| 1. | स्कूलों में जल के निकास की व्यवस्थाः | (क) हाँ = 40 | (ख) नहीं = 60 |
| 2. | स्कूलों में साफ–सफाई हेतु कर्मचारियों की व्यवस्थाः | (क) हाँ = 60 | (ख) नहीं = 40 |
| 3. | स्कूलों में शौच पश्चात् की स्वच्छता हाथ धोने के लिए पानीः | (क) हाँ = 95 | (ख) नहीं = 05 |
| 4. | समुदायिक स्वच्छता हेतु स्कूलों द्वारा किए गए प्रयासः | (क) हाँ = 65 | (ख) नहीं = 40 |
| 5. | स्कूलों में कूड़ा निस्तारण व्यवस्था कैसी है? | (क) हाँ = 70 | (ख) नहीं = 30 |

***स्रोतः*** सर्वेक्षण

आँकड़ों द्वारा शोधार्थी को ज्ञात हुआ है कि विद्यालयों में निकास की व्यवस्था 60 प्रतिशत नहीं है तथा 40 प्रतिशत है। आँकड़ों के आधार पर शोधार्थी को सर्वेक्षण करने से ज्ञात हुआ है कि विद्यालयों में सफाई हेतु कर्मचारियों की 60 प्रतिशत व्यवस्था है तथा 40 प्रतिशत नहीं है।

## 6. प्राप्तियाँ

1. स्वच्छ भारत अभियान से लगभग 84 प्रतिशत लोगों को स्वच्छता के बारे में जानकारी हुई है। जिससे वो स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए है।
2. प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था को सुधारा गया है। उनमें अब शिक्षकों, बालक और बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालयों का निर्माण किया गया है।
3. शौचालय निर्माण से सभी को और खासकर बालिकाओं की सुरक्षा में बढ़ोत्तरी हुई है।
4. शौचालय निर्माण से विद्यालयों की प्राथमिकता में बढ़ोत्तरी हुई है।
5. प्राथमिक विद्यालयों में जल की व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है।
6. प्राथमिक विद्यालयों में शौचालयों की साफ–सफाई में काफी बदलाव हुआ है।

## 7. सीमाएँ

1. अभी भी लगभग 70 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था बालक और बालिकाओं के लिए अलग–अलग नहीं है।
2. पानी के निकास की सुविधाएँ नहीं है।
3. प्राथमिक विद्यालयों में जो सरकार द्वारा शौचालय बनवायें जा रहे है वो टिकाऊ नहीं है।
4. प्राथमिक विद्यालयों में साफ–सफाई साप्ताहिक होती है या फिर एक महीने में एक बार हो जाती है।
5. प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थी को स्वच्छ भारत अभियान के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान नहीं दिया गया है।
6. प्राथमिक विद्यालयों में सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था में कमी है।

## 8. सुझाव

1. स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए सभी प्राथमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान का ज्ञान विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है।
2. विद्यालयों में पानी के निकास की व्यवस्था ठीक करना, जिससे किसी भी प्रकार की गन्दगी से निकास से असुविधा न हो।
3. शौचालय निर्माण में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए जिससे शौचालय टिकाऊ बन सकें।
4. विद्यालय में कुड़ा निस्तारम्भ की व्यवस्था होनी चाहिए। विद्यार्थी सड़को या विद्यालयों में गन्दगी न करें।
5. सामुदायिक स्वच्छता हेतु प्राथमिक विद्यालयों द्वारा प्रयास किया जाना चाहिए।
6. प्राथमिक विद्यालयों में शौचालयों की सफाई हेतु रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जाना चाहिए।
7. प्राथमिक विद्यालयों में बालक/बालिकाओं तथा स्टाफ के लिए शौचालयों की व्यवस्था अलग–अलग होनी चाहिए।

## 9. निष्कर्ष

अधिकांश लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक है। 58 प्रतिशत लोगो को इस अभियान की जानकारी है वह इस अभियान को चलाने में अपना योगदान दे रहे है। परन्तु विद्यालयों में शिक्षक विद्यार्थियों की स्वच्छता की ओर ध्यान नहीं दे रहे है। विद्यालयों में शौचालयों की व्यवस्था पूर्ण रूप से सही नहीं है। विद्यालयों में शिक्षकों, बालकों तथा बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है। 50 प्रतिशत तक शौचालय की साफ–सफाई रोजाना नहीं की जा रही है जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर

बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कुछ विद्यालयों में जल निकास की व्यवस्था नहीं है। उनका पानी सड़कों पर ही बहता है। विद्यालयों में पीने के पानी की व्यवस्था भी पूर्ण रूप से सही नहीं है। जब तक लोग इतने जागरूक नहीं हो जाते कि वह स्वच्छता को अपना कर्तव्य न समझने लगे तब तक सम्पूर्ण स्वच्छ भारत अभियान एक सपना है। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान को कायिक स्वच्छता से आगे बढ़कर सामाजिक एवं व्यवहारिक स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु कर्तव्यशील बनाने की अत्यंत आवश्यकता है।

## 10. सन्दर्भ सूची


1. Mane Abhay B. Swachh Bharat Mission for India's Sanitation Problem: Need of the Hour, Unique Journal of Medical and Dental Sciences. 2014, 02(04)58-60. (UJMDS) ISSN 2347-5579. www.ujconline.net
2. Surendra Kumar Tiwari. The Study of Awareness of a national mission: Swach Vidyalaya in the Middle School Student of Private and Public Schools, PARIPEX-Indian Journal of Research. 2014. ISSN 2250-1991. www.paripex.in. http://indianjournalresearch.com
3. Aparna Nayak. Clean India, Journal of Geoscience and Environment Protection. 2015; 3:133-139. doi: 10.4236/gep. 2015. 35015. http://creativecommous.org/licenses/downloaded on 28 July 2015.
4. Neetu Sharma, Richa Chaudhary, Harsh Purohit. A Comparative Study on Green Initiatives Taken by Selected Public and Private Sector Banks in Mumbai. ISOR Journal of Business and Management (IOSR-JBM), 2014, 32-37. e-ISSN: 2278-4878. www.josrjournals.org
5. A National Mission. A Hand Book on Swachh Bharat Swachh Vidyalaya, 2014. http://scholar.harvard.edu/files/adukia/files/adukia_sanitation_and_education.pdf
6. Sharma V, Badra Shailja. International Journal of Advance Research in Science and Engineering (IJARSE), 2015, 4(1). ISSN-2319-8354 (E). http://www.IJARSE.com
7. Rudresh Kumar Sugam, Sonali Mittra, Arunabha Ghosh. Kachra Mukt, Shouchalaya Yukt Bharat. Council on Energy, Environment and Water. 2014, 584. http://ceew.in
8. Venkata Subbarao P, Somasekhar S. Swachh Bharat: Some Issues and Concerns. International Journal of Academic Research. 2015, 2(4-4). ISSN 2348-7666, 2015. http://ijar.org.in